ग्रन्थकृन्नाम	ग्रन्थनाम
२ सोमानन्द (८८०)	शिवदृष्टि
,, ,,	,, ,, वृत्ति
उत्पलाचार्य (९१०)	,, ,, संक्षेप (प्रत्यभिज्ञाकारिका प्रत्यभिज्ञासूत्रापरनामिका)
,, ,, ,,	प्रत्यभिज्ञाटीका (प्रत्यभिज्ञावृत्ति)
अभिनवगुप्त (१०००)	प्रत्यभिज्ञावृत्तिटीका (प्रत्यभिज्ञाविमर्शिनी वा लघ्वी वृत्तिर्वा लघुविमर्शनी वा)
उत्पलाचार्य (९१०)	प्रत्यभिज्ञासूत्रटीका (प्रत्यभिज्ञाविवृति)
अभिनवगुप्त (१०००)	प्रत्यभिज्ञाविवृतिटीका (प्रत्यभिज्ञाविवृतिविमर्शिनी बृहतीवृत्त्यपरनामधेया)
अभिनवगुप्त (१०००)	शिवदृष्टिवृत्ति (शिवदृष्ट्यालोचन)
उदयाकरसूनु	शिवदृष्टिसूत्रवृत्ति
३ उत्पलाचार्य (९१०)	ईश्वरसिद्धि, अजडप्रमातृसिद्धि, स्तोत्रावलि
४ रामकण्ठ (९५०)	भगवद्गीताटीका
५ अभिनवगुप्त (१०००)	परात्रिंशिकाविवरण, तन्त्रसार, तन्त्रालोक, परमार्थसार
जयरथ (११७०)	तन्त्रालोकटीका
योगराज (१०५०)	परमार्थसारटीका
६ क्षेमराज (१०२५)	ईश्वरप्रत्यभिज्ञाहृदय, स्पन्दनिर्णय
७	प्रकरणविवरणपञ्चक

रसेश्वरदर्शनम् ।

१	रुद्रयामल
२ ... ... (पूर्व)	रसार्णव
३ नागार्जुन (४००)	रसरत्नाकर
४ रामेश्वरभट्टारक ...	...
५ गर्भश्रीकान्तमिश्र ...	...
६	रसेश्वरसिद्धान्त
७ गोविन्दभगवत्पादाचार्य (७८०)	रसहृदय
चतुर्भुज	,, ,, टीका (बालचयबोधिका)
८ यशोधर (१२६०)	रसप्रकाशसुधाकर
९ वाग्भटाचार्य (१२७५)	रसरत्नसमुच्चय

ग्रन्थकृन्नाम	ग्रन्थनाम
१० नित्यनाथ (१३००)	रसरत्नाकर
११ गोविन्दाचार्य (१४००)	रससार
१२	रसरत्नप्रदीप
१३	साकारसिद्धि
१४ उपेन्द्र	भैषज्यसार
१५ मल्लारि (१६०४)	रसकौतुक
१६ शालिनाथ (१६५७)	रसमञ्जरी
१७ वैद्यनृपसूनु	रसमुक्तावली
१८	रसावतार
१९ महादेव	रसपद्धति
२० सोमदेव... ...	रसेन्द्रचूडामणि
२१ मथनसिंह (१७०८)	रसनक्षत्रमालिका
२२ रामचन्द्र (१७३५)	रसेन्द्रचिन्तामणि
२३ देवदत्त (१७५०)	धातुरत्नमाला
२४ मदनान्तदेवसूरि	रसचिन्तामणि
२५ विष्णुदेव	रसराजलक्ष्मी

अक्षपाददर्शनम् ।

१ अक्षपाद (गौतम)	न्यायसूत्र
वात्स्यायन (३००)	,, ,, भाष्य
उद्योतकर (६३५)	,, ,, ,, वार्तिक
वाचस्पतिमिश्र (८४१)	न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका
उदयन (९८४)	,, ,, (टीकान्यायवार्तिकतात्पर्यपरिशुद्धि)
वर्धमान (१२२५)	परिशुद्धिटीका (न्यायनिबन्धप्रकाश)
पद्मनाभ	न्यायनिबन्धप्रकाशटीका (वर्धमानेन्दु)
शंकरमिश्र (१४२५)	,, ,, ,, (न्यायतात्पर्यमण्डन)
मित्रमिश्र (१५८०)	न्यायसूत्रभाष्यटीका (न्यायदीप)
विश्वनाथ (१६३४)	न्यायसूत्रभाष्यटीका
जयन्त (८८०)	गौतमसूत्रवृत्ति (न्यायमञ्जरी)
जयराम	न्यायसिद्धान्तमाला
राधामोहन	न्यायसूत्रविवरण